मै उस परमात्मा के अलावा और किसी ईश्वर को नही जानता जो लाखों मूक प्राणियों के हृदय में बसता है. . . .और मैं इन लाखों लोगों की सेवा के माध्यम से उस ईश्वर की पूजा करता हूँ जो सत्य है.....

--महात्मा गांधी



चिल्ड्रन्स बुक ट्रस्ट नयी दिल्ली